आम आदमी पार्टी के मुखिया केजरीवाल से

माओवादियों के दस सवाल

अंग्रेज जाने के बाद भारत एक अर्ध–सामंती व अर्ध औपनिवेशिक देश बन गया. पहले केवल अंग्रेज लूटते थे, अभी अमेरीका सहित विभिन्न साम्राज्यवादी देश लूट रहे हैं, पहले 60 विदेशी कंपनियां थी अभी 4000 से ज्यादा हैं, कांग्रेस हो या भाजपा विदेशी कंपनियों के सामने लाल कालीन बिछाती आई हैं, तो आप क्या करोगे ?

- उत्तर-पूर्व व कश्मीर की जनता दशकों से आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए लड़ रही है, भारत के शासक वर्ग सेना के बल से उनके जन आंदोलन को कुचलते आ रहे हैं, सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून (एफसपा) आदि कानूनों के जरिये जनता के मुलभूत अधिकारों को कुचला जा रहा है, आप आने के बाद क्या करोगे ?
- विकास के नाम पर पीछले 68 सालों में 6 करोड़ से ज्यादा जनता को उजाड़ा जा चुका है, जिसमें हर छटवा नागरिक आदिवासी है, जनता को विस्थपित करने वाली टाटा, बिरला, वेदांता, पोस्को, परमाणु संयतंत्रों के बारे में आपकी क्या राय है ? क्या आप भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों व बड़े पूंजीपतियों के लिए देश के खनिज भंडारों को लूटने के लिए खोल देंगे ? क्या विनाशकारी परमाणु संयंत्रों को अनुमति देंगे ? क्या विकास के इस विफल मॉडल को ही लागू करेंगे ?
- भ्रष्टाचार इस पूंजीवादी व्यवस्था की नसों में बसा हुआ है, विदेशी कंपनियां व बड़े पूंजीपति ही सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार फैलाते हैं, छोटे कर्मचारी तो बलि का बकरा बनते हैं, भ्रष्टाचार फैलाने वाले कार्पोरेट घरानों पर आप कैसे लगाम कसोगे, क्या छीछला लोकपाल कानून काफी है ? जबकि भ्रष्टाचार की जड़ उनकी मुनाफा कमाने की हवस है ! भ्रष्टाचार के खिलाफ आपका ठोस प्रोग्राम क्या है ? क्या बिना अमूलचूल परिवर्तन के इस व्यवस्था से भ्रष्टाचार खत्म हो सकता है ?
- केंद्र सरकार 51 प्रतिशत से भी ज्यादा विदेशी निवेश की छूट खुदरा व्यापार में दे रही है. दिल्ली में तो आपने विदेशी निवेश का विरोध किया है, बाकि देश को क्या आप विदेशी निवेश की खुली छूट देंगे, जैसे कांग्रेस, भाजपा, तरुणमूल कांग्रेस, भाकप, माकपा आदि दे रही हैं ?
- भारत के शासक वर्ग चाहे कोई पार्टी हो जन आंदोलनों का जवाब लाठी-गोली से दे रही है, चाहे वह आंदोलन शांतिपूर्ण हो या फिर सशस्त्र संघर्ष, क्या आप भी ऐसे ही दमनचक्र चला कर जनआंदोलनो का गला गोंटेंगे ?
- साम्राज्यवादियों, विदेशी कंपनियों व बड़े पूंजीपतियों के अनुकूल आर्थिक नीतियां बना कर देश के शासकों ने अर्थ व्यवस्था को रसातल में पहुंचा दिया है, क्या आप इसे उबरने के लिए मनमोहन, अटलबिहारी की तरह अमेरीका की तरफ देखेंगे या फिर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कुछ नया उपाय निकालेंगे ? क्या जोतने वाले को जमीन देंगे.
- भाजपा व कांग्रेस ने देश के सेनिकीकरण के लिए बजट का बड़ा हिस्सा खर्च कर रहे हैं जबकि देश की जनता भुखमरी का शिकार है, 77 प्रतिशत जनता मात्र 20 रुपये में गुजारा करने पर मजबूर है, इस परिस्थिति में क्या आप भी सेना पर ही ध्यान देंगे या जनता के पक्ष में नीतियां बनाएंगे ?
- देश के शासकवर्गों ने अपने ही देश की जनता पर युध्द छेड़ रखा है, हमारी पार्टी को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा घोषित कर देश के मध्य भाग में साढ़े तीन लाख सशस्त्र बलों को लगाया हुआ है, जनवरी 14 को सीआरपीएफ के डीजीपी दिलीप त्रिवेदी ने आपरेशन ग्रीनहंट के तीसरे चरण के तहत एक लाख और सशस्त्र बलों से अभियान की शुरुआत की घोषणा की है. सब जानते हैं यह जनता पर यह युध्द आदिवासी इलाकों में मौजूद खनिज संपदा को विदेशी कपंनियों व बड़े पूंजीपतियों को सौंपने के लिए हो रहा है, पूरी दुनिया इस युध्द का विरोध कर रही है, आप क्या सोचते हैं ? क्या आप भी इसी तरह और सेना को भेज कर आदिवासी जनता को विस्थपित करेंगे और जन आंदोलन को कुचलने का सिलसिला जारी रखेंगे ?
- आपरेशन ग्रीनहंट के तहत सैकड़ों आदिवासी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म सशस्त्र बलों द्वारा किये गए हैं, सैकड़ों लोगों को झूठी मुठभेड़ों में मारा गया है, सैकड़ों गांवों को तबाह किया गया है, आप क्या इसकी जांच करवाकर दोषियों को सजा दिलवाएंगे ?